भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या. 386 के संबंध में
19 जुलाई 2022 को उत्तरार्थ

सहकारी समितियों पर कोविड वैश्विक महामारी का प्रभाव

386. श्री कल्याण बनर्जी:

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में कोविड वैश्विक महामारी के कारण हजारों से अधिक सहकारी समितियां बहुत अधिक प्रभावित हुई हैं;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र पर वैश्विक महामारी के प्रभाव का आकलन किया गया है;

(ग) यदि हाँ, देश में वित्तीय एवं गैर-वित्तीय दोनों सहकारिताओं की खराब स्थिति का पुनरुत्थान करने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम; तथा

(घ) इस संबंध में की गई कार्रवाई का विवरण क्या है और यदि नहीं है, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) तथा (ख): कोविड महामारी ने सहकारी समितियों सहित सभी क्षेत्रों को व्यापक रूप से प्रभावित किया है । हालांकि, भारत सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का न्यूनीकरण करने हेतु समय-समय पर विभिन्न उपायों/पैकेजों के माध्यम से कोविड राहत प्रदान की है ।

सहकारी समितियों पर महामारी के प्रभाव का आकलन करने हेतु भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ को एक अध्ययन कार्य सौंपा गया है ।

(ग) एवं (घ): कोविड महामारी के दुष्परिणामों को ध्यान में रखते हुए, एनसीडीसी ने सहकारी समितियों को अपनी वित्तीय सहायता निम्नलिखित रूप से बढाई है:

वित्तीय वर्ष	**वित्तीय सहायता (करोड़ रुपये में)**
वर्ष 2020-2021	रु. 24733.24
वर्ष 2021-2022	रु. 34221.08

इसके अलावा, कोविड 19 महामारी के अवधि के दौरान, एनसीडीसी ने चीनी सहकारिताओं हेतु 203.78 करोड़ रुपये एवं वस्त्र सहकारिताओं हेतु 369.68 करोड़ रुपये के ऋणों का पुनर्गठन किया है ।

****